Report On

Guru Nanak Dev Lecture Series

Guru Nanak College, Dhanbad organized the Guru Nanak Dev Lecture Series on June 28, 2025, at the S.J.S. Grewal Auditorium. The event featured two academic lectures aimed at encouraging academic excellence and strengthening professional competencies among students and faculty members.

The program began with a welcome address by Dr. Ranjana Das, who greeted the distinguished speakers and emphasized the importance of continuous learning in higher education.

First Academic Session

The first session commenced at 10:30 AM on the topic:

"Enhancing Oral Communication: Flow, Cadence and Rhythm for Academic and Professional Success."

The keynote speaker, Maitreyee Chatterjee, Principal Mentor and Consultant at Quill Publishing and Editorial Services, delivered an engaging lecture on the importance of effective oral communication. She discussed practical strategies to enhance clarity, confidence, and expression in both academic and professional settings. The interactive session received an enthusiastic response from participants.

Second Academic Session

The second session began at 12:00 PM on the topic:

"Reimagining Pedagogy: Transformations and Dilemmas in Teaching and Learning Economics and Commerce."

The session was addressed by Prof. Amitava Chatterjee, Head of the Department of Commerce at Scottish Church College, Kolkata. He spoke about the evolving challenges in teaching Economics and Commerce and suggested innovative approaches to improve classroom engagement and learning outcomes.Dr. Pramod Pathak, Visiting Faculty at the college, also shared his insights during the discussion.

The Presidential Address was delivered by Sardar R.S. Chahal, who appreciated the initiative and encouraged the continuation of such academic platforms.

The program concluded with a formal vote of thanks by Prof. Deepak Kumar, IQAC Coordinator.

The sessions were coordinated by Dr. Varsha Singh.

The Guru Nanak Dev Lecture Series proved to be an intellectually enriching and inspiring initiative. The lectures provided valuable insights, encouraged academic dialogue, and reinforced the institution's commitment to excellence in teaching, learning, and professional development.

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
GURU NANAK DEV LECTURE SERIES
AN INITIATIVE BY INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
SESSION 1: ENHANCING ORAL COMMUNICATION:
FLOW, CADENCE, AND RHYTHM FOR ACADEMIC & PROFESSIONAL SUCCESS
Invited Speaker: Ms. Maitreyi Chatterjee
ORGANISED BY DEPARTMENT OF ENGLISH
SESSION 2: REIMAGINING PEDAGOGY: TRANSFORMATIONS & DILEMMAS
IN TEACHING AND LEARNING ECONOMICS & COMMERCE
Invited Speaker: Prof. Amitava Chatterjee
ORGANISED BY IQAC
28TH JUNE 2025 (SATURDAY) 11:00 AM ONWARDS
VENUE: SJS GREWAL AUDITORIUM, BHUDA CAMPUS , GURU NANAK COLLEGE
GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

Invited Speaker: Ms.
SESSION 2: REIMAGINING PEDAGOGY
IN TEACHING AND LEARNING
ORGANISED

मौखिक संचार के महत्व पर चर्चा

गुरुनानक कालेज में शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन

गुरुनानक कालेज में शनिवार को अतिथि का स्वागत करते प्राचार्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, धनबादः गुरु नानक कालेज में गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के अंतर्गत दो शैक्षणिक व्याख्यानों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों व शिक्षकों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्या डा . रंजना दास ने अतिथियों का स्वागत किया। सुबह 10:30 बजे से शुरू हुए पहले सत्र का विषय ''एनहैंसिंग ओरल कम्युनिकेशन फ्लो, कैडेंस एंड रिदम फार एकेडमिक एंड प्रोफेशनल सक्सेस'' था। इस सत्र की मुख्य वक्ता क्विल पब्लिशिंग एंड एडिटोरियल सर्विसेज की प्रिंसिपल मेंटर एवं कंसल्टेंट, मैत्रेयी चटर्जी थीं। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के साथ मौखिक संचार के महत्व और उसके प्रभावी तरीकों पर चर्चा की।

दोपहर 12 बजे से दूसरे सत्र की शुरुआत हुई। इसका विषय ''रिमैजिनिंग पेडागाजीः ट्रांसफार्मेशन्स एंड डिलेमास इन टीचिंग एंड लर्निंग इकोनामिक्स एंड कामर्स'' था। वक्ता स्काटिश चर्च कालेज, कोलकाता के वाणिज्य विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर अमिताभ चटर्जी थे। उन्होंने अर्थशास्त्र और वाणिज्य के शिक्षण में आनेवाली चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। डा . प्रमोद पाठक, विजिटिंग फैकल्टी, गुरुनानक कालेज ने भी अपने विचार साझा किए। सरदार आरएस चहल ने अध्यक्षीय भाषण दिया। समापन आइक्यूएसी के समन्वयक प्रोफेसर दीपक कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। डाक्टर. वर्षा सिंह ने दोनों सत्रों का समन्वय किया।

प्रोफेसर पी. शेखर, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, डाक्टर मीना मलखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. संजय कुमार सिन्हा, डाक्टर नीता ओझा, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. साधना सिंह, प्रो. सोनू यादव, उदय सिन्हा आदि ने संबोधित किया।

मौखिक संचार के महत्व व उसके तरीकों पर हुई चर्चा

एजुकेशनरिपोर्टर | धनबाद

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद में शनिवार को गुरु नानक देव लेक्चर सीरीज के तहत दो व्याख्यान हुए। पहला व्याख्यान एनहैंसिंग ओरल कम्युनिकेशन : फ्लो, कैडेंस एंड रिदम फॉर एकेडमिक एंड प्रोफेशनल सक्सेस पर हुआ। मुख्य वक्ता क्विल पब्लिशिंग एंड एडिटोरियल सर्विसेज की प्रिंसिपल मेंटर व कंसल्टेंट मैत्रेयी चटर्जी थीं। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के साथ मौखिक संचार के महत्व और उसके प्रभावी तरीकों पर चर्चा की। दूसरा व्याख्यान रिमैजिनिंग पेडागॉजी : ट्रांसफॉर्मेशन्स एंड डिलेमास इन टीचिंग एंड लर्निंग इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स पर था। वक्ता स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता के प्रो. अमिताव चटर्जी थे। उन्होंने अर्थशास्त्र और वाणिज्य के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों व उनके समाधान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. रंजना दास ने की। डॉ. प्रमोद पाठक, अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, प्रो. दीपक कुमार, डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. अमरजीत सिंह, डॉ. मीना मलखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. संजय कुमार सिन्हा, डॉ. नीता ओझा, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. साधना सिंह, प्रो. सोनू यादव, प्रो. उदय सिन्हा, प्रो. पुष्पा तिवारी, प्रो. पियूष अग्रवाल, प्रो. ममता प्रसा घनिष्ठा वर्मा, सुरभि कश्यप, राशी पोद्दार, सपना कुमारी, सोनी कुमारी आदि थे।

गुरुनानक कॉलेज में व्यावसायिक कौशल विकास पर व्याख्यान

संवाददाता, धनबाद

शनिवार को गुरुनानक कॉलेज के एसजेएस ग्रेवाल सभागार में गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के अंतर्गत दो शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन हुआ. उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा व्यावसायिक कौशल का विकास करना था. उद्घाटन प्राचार्या डॉ रंजना दास ने किया. पहला सत्र सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ, जिसके विषय, 'एनहैंसिंग ओरल कम्युनिकेशन : फ्लो, कैडेंस एंड रिदम फॉर एकेडमिक एंड प्रोफेशनल सक्सेस' पर मुख्य वक्ता मैत्रेयी चटर्जी ने प्रभावी मौखिक संचार की तकनीकों पर चर्चा की. दूसरा सत्र दोपहर 12 बजे शुरू हुआ, जिसमें स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता के प्रो अमिताभ चटर्जी ने 'रिमैजिनिंग पेडागॉजी' विषय पर शिक्षण क्षेत्र की चुनौतियों और नवाचारों पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर डॉ प्रमोद पाठक, सरदार आरएस. चहल, प्रो दीपक कुमार, डॉ वर्षा सिंह सहित कई शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन प्रो दीपक कुमार ने दिया.

व प्रभावी तरीकों पर मंथन

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिति अतिथि समेत अन्य।

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के तहत शनिवार को गुरुनानक कॉलेज में दो शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों एवं शिक्षकों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

मुख्य वक्ता मैत्रेयी चटर्जी ने छात्रों और शिक्षकों के साथ मौखिक संचार के महत्व और उसके प्रभावी तरीकों पर चर्चा की। दूसरे सत्र में स्कॉटिश चर्च अमिताभ चटर्जी ने अर्थशास्त्र और वाणिज्य के शिक्षण में आनेवाली चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रमोद पाठक विजिटिंग फैकल्टी ने भी अपने विचार साझा किए। अध्यक्ष आरएस चहल समेत अन्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दीपक कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। डॉ वर्षा सिंह ने दोनों सत्रों का संचालन किया। मौके पर प्रो. पी शेखर पूर्व प्राचार्य, प्रो. अमरजीत सिंह, अंग्रेजी